(ख) उक्त रेलवे लाइन को बड़ी रेलवे लाइन में बदलने हेतु कार्य कब प्रारम्भ होने की सम्भावना है, क्या इस कार्य को सातवीं योजना में सम्मिलित करने का कोई प्रस्ताव है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया) : (क) और (ख) जबलपुर-गोंदिया छोटी लाइन खण्ड को बड़ी लाइन में बदलने के लिए सर्वेक्षण 1980 में पूरा हो गया था । यह परियोजना वित्तीय दृष्टि से अलाभप्रद पायी गयी थी । इस कार्य को शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा रेल सुविधाओं की मांग

1211. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1985 से मार्च, 1986 की अवधि के दौरान मध्य प्रदेश सरकार ने रेल यात्रियों को और सुविधायें दिये जाने, नई रेल लाइनों के निर्माण, रेल लाइनों को बदले जाने तथा अन्य रेल यात्रा सुविधाओं के लिए क्या मांग की है; और

(ख) रेल विभाग द्वारा इन मांगों के सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई तथा उनमें से कितनी मांगों को पूरा कर दिया गया है?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया) : (क) मध्य प्रदेश सरकार से समय-समय पर अनुरोध प्राप्त होते हैं । कुछ महत्वपूर्ण निर्माण कार्य जिनके लिए अनुरोध प्राप्त हुए थे, इस प्रकार हैं :-

(1) सतना/ब्यौहारी रेल लाइन

(2) गुना/इटावा रेल लाइन

(3) ढल्लीराजहरा/जगदलपुर रेल लाइन

(4) बिलासपुर/मंडला रेल लाइन

(5) ललितपुर/सिंगरौली रेल लाइन

(6) विश्रामपुर/अम्बिकापुर - बरवाडीह रेल लाइन

(7) कोरबा/रांची रेल लाइन

(8) रायपुर/धमतरी लाइन का आमान परिवर्तन

(9) छिंदवाड़ा/पाराविया लाइन का आमान परिवर्तन

(10) ग्वालियर/शिवपुर लाइन का बड़ी लाइन में परिवर्तन

(11) प्रस्तावित सतना-रीवा लाइन का मिरजापुर तक विस्तार

(ख) उपरोक्त निर्माण कार्यों की स्थिति इस प्रकार है :--

(1) सतना/ब्यौहारी रेल लाइन

सतना-रीवा लाइन को 1985-86 के रेल बजट में शामिल कर लिया गया है और वित्तीय निहितार्थ निर्धारित करने के लिए रीवा-ब्यौहारी लाइन का सर्वेक्षण प्रगति पर है ।

(2) गुना-इटावा रेल लाइन

इस निर्माण कार्य को 1985-86 के रेलवे बजट में शामिल किया गया है ।

(3) **ढल्ली राजहरा-जगदलपुर रेल लाइन**

इसके वित्तीय निहितार्थ निर्धारित करने के लिए पहले किये गये सर्वेक्षण को अद्यतन करने का काम शुरू कर दिया गया है ।

(4) **बिलासपुर-मंडला रेल लाइन**

बिलासपुर-जबलपुर रेल लाइन के लिए टोह सर्वेक्षण अनुमोदित कर दिया गया है ।

(5) ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन

(6) विश्रामपुर- अम्बिकापुर- बारवाडीह रेल लाइन

(7) कोरबा-रांची रेल लाइन

(8) रायपुर-धमतरी लाइन का आमान परिवर्तन

(9) छिंदवाडा-पारानिया लाइन का आमान परिवर्तन

उपर क. सं. (5) से (9) तक उल्लिखित परियोजनाओं के सम्बन्ध में किये गये सर्वेक्षण से पता चला है कि वे वित्तीय दृष्टि से लाभप्रद नहीं होंगी । संसाधनों की भारी तंगी के कारण इन्हें शुरू नहीं किया जा सकता है ।

(10) ग्वालियर-शिवपुर लाइन का बड़ी लाइन में परिवर्तन

(11) प्रस्तावित सतना-रीवा लाइन का मिरजापुर तक विस्तार

फिलहाल संसाधनों की तंगी के कारण क्र. सं. (10) और (11) पर उल्लिखित प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जा सकता है ।

विश्रामपुर-बरवाडीह प्रस्तावित रेल लाइन

1212. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल**: क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्रामपुर-बरवाडीह रेल लाइन का कभी सर्वेक्षण किया गया है ;

(ख) सर्वेक्षण पर कुल कितनी धन राशि खर्च की गई है और उसके क्या परिणाम रहे; और

(ग) क्या इस रेलवे लाइन को सातवीं पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित करने का विचार है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया): (क) जी हां ।

(ख) लगभग 8.13 लाख रुपये । यह परियोजना वित्तीय दृष्टि से लाभप्रद नहीं पायी गयी थी ।

(ग) जी नहीं ।

सतना-बगवार लाइन का सर्वेक्षण

1213. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) सतना से ब्योहारी, रीवा, गोबिन्दगढ और बगवार तक इंजीनियरिंग एवं परिवहन सर्वेक्षण कार्य की प्रगति क्या है , और

(ख) क्या सरकार इस रेलवे लाइन के निर्माण कार्य को सातवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल करने का विचार रखती है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया) : (क) रीवा, गोबिंदगढ़ और बागवीर के रास्ते सतना और ब्योहारी के बीच नयी लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण की प्रगति 95 प्रतिशत है ।

(ख) सतना-रीवा लाइन का निर्माण कार्य 1985-86 के बजट में शामिल कर लिया गया था । सर्वेक्षण पूरा हो जाने के बाद और सातवीं पंचवर्षीय योजना में संसाधन की स्थिति के अनुसार शेष-खंड पर आगे कार्रवाई करने के संबंध में विचार किया जायेगा।

Harmful effect of gouty and arthritis drugs

1214. SHRI NAND KISHORE BHATT: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 2390 given in the Rajya Sabha on the 19th March, 1986 and state:

(a) whether it is a fact that there are a number of drugs which have been allowed by Government for the treatment of ankylosing spondylities and goulty arthrities; and

(b) if so, what are the names of those drugs?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Although a number of non-steroidal anti-inflammatory drugs have been allowed for marketing in the country, there are not many non-steroidal drugs available in the market which are specific for the treatment of ankylosing spondylities and gouty arthritis.

(b) The following are the names of drugs that are used in the treatment of ankylosing spondylitis and gouty arthritis: